

रेलवे लाइनों के दोनों ओर तार लगाना।

३६६. श्री भगवान बंन : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पूर्वोत्तर रेलवे की रेलवे लाइन के दोनों ओर कितनी दूरी में तार लगी हुई है और कितने में नहीं लगी हुई है;

(ख) इस में तार न लगाने के क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार को पता है कि तार न लगी होने के कारण कई जानवर गाड़ियों से कुचले जाते हैं;

(घ) गत तीन वर्षों में इस प्रकार कितने पशु कुचले गये; और

(ङ) क्या सरकार के पास पशुओं को गाड़ियों से कुचलने से बचाने के लिये कोई योजना है और यदि हां, तो वह क्या है ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) :

(क) और (ख) तार की बाड़ केवल स्टेशन याड, उपनगरी क्षेत्र (suburbs) और कारखानों के इर्द-गिर्द और खास समपारों के पास लगायी जाती है।

(ग) जी, हां।

(घ) पिछले तीन साल में पूर्वोत्तर रेलवे में मवेशियों के कटने की दूर्घटनायें इस प्रकार हैं :—

१९५४-५५ में ९५, १९५५-५६ में ७९ और १९५६-५७ में ११२।

(ङ) दुर्घटनाओं को कम करने के लिये नीचे लिखे उपाय किये गये हैं :

(१) इस रेलवे में उपयुक्त जगहों पर समपार और मवेशियों के लिये फाटक बनाये गये हैं।

(२) जिन समपारों पर फाटक लगे उन के दोनों ओर ५० फीट तक बाड़े लगायी गयी है ताकि बिना देख-रेख वाले मवेशी लाइन पार न करने पायें।

(३) रेलवे की जमीन जब घास काटने के लिये पट्टे पर दी जाती है, उस समय करार में यह बात साफ-साफ लिख दी जाती है कि उस जमीन में मवेशियों को चरने नहीं दिया जायेगा।

यात्री सुविधाएं

३६७. श्री भगवान दीन : क्या मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को विदित है कि गोरखपुर डिवीजन के बहराइच जिले में मीहीपुरवा और कतरनियाघाट स्टेशनों पर प्रतीक्षालय नहीं हैं; और

(ख) यदि हां, तो इस विषय में क्या कार्यवाही की गई है ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) :

(क) और (ख). जी, हां। इन स्टेशनों पर ऊंचे दर्जे के यात्रियों के लिये प्रतीक्षालय नहीं हैं, लेकिन यहां तीसरे दर्जे के यात्रियों के लिये प्रतीक्षालय पहले से बने हैं। इन स्टेशनों पर आने-जाने वाले ऊंचे दर्जे के यात्रियों की दैनिक आसत सख्या क्रमशः ३ और १५ है, इसलिये मिहिनपुरवा स्टेशन पर प्रतीक्षालय बनाने का कोई उचित कारण नहीं है। कतरनियाघाट स्टेशन पर ऊंचे दर्जे का प्रतीक्षालय बनाने का मुझाव रेल उपभोक्ता सुविधा समिति (Railway Users' Amenities Committee) के सामने रखा जायेगा।

गोंडा-कतरनियाघाट लाइन पर रेल गाड़ियां

३६८. श्री भगवान दीन : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार का गोंडा जंक्शन के रात के आठ बजे बहराइच पहुंचने वाली गाड़ी को मीहीपुरवा से आगे कतरनियाघाट तक बढ़ाने का विचार है क्योंकि इस से वहां के व्यापारी एक दिन में कम से कम दो वार आ जा सकेंगे ?

रेलवे उपायों (श्री शाहनवाज खां) :  
जी नहीं ।

जिस गाड़ी का जिक्र किया गया है वह १९४५ पर बहराइच पहुंचती है और नानपारा हो कर मिहिनपुरवा नहीं, सीधी नेपाल गंज जाती है । इसलिये इस मुद्दा का मतलब यह होगा कि इस गाड़ी को नानपारा और मिहिनपुरवा हो कर अंतरनियामाट तक चलाया जाय । फिर भी, इस गाड़ी को मिहिनपुरवा से आगे चलाना मुमकिन न होगा क्योंकि निशानगढ़ा-अंतरनियामाट मेकशन पर रात में गाड़ी चलाने की इजाजत नहीं है ।

#### Rail-Sea Co-ordination Committee

369 { **Shri Raghunath Singh:**  
**Shri Tantia:**

Will the Minister of Transport and Communications be pleased to state:

(a) whether the report of the Rail-Sea Co-ordination Committee has been submitted; and

(b) if so, whether it is a fact that the Committee has recommended a general 15 per cent. enhancement in coastal freight rates for two years ending with March, 31, 1959?

**The Minister of State in the Ministry of Transport and Communications (Shri Raj Bahadur):** (a) Yes, Sir. The report was submitted on 17-4-1957.

(b) The recommendations of the Committee are still under the consideration of Government.

#### Over-bridge at Shalimar

**370. Shri Muhammed Elias:** Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether Government propose to construct an over-bridge at Shalimar No. 3 gate, South-Eastern Railway; and

(b) if so, when the same will be undertaken?

**The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan):** (a) This

level crossing has been recommended by the State Government to be replaced by an over/under Bridge. The proposal involves acquisition of valuable property for the approaches, the feasibility of which is to be decided in consultation with the State Government. Unless this examination is completed, it is not possible even to formulate a definite proposal for the constructions of an over or under bridge.

(b) Does not arise.

#### Shencottah Trivandrum Railway Line

**371. Shri Kumaran:** Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether Government have investigated the possibility of opening a railway line from Shencottah to Trivandrum via Kulathoopuzha and Nedumangadu; and

(b) if so, the results of the investigation?

**The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan):** (a) No.

(b) Does not arise.

#### Railway Line in Rajasthan

**372. Shri Shobha Ram:** Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) the total mileage of Railway lines to be opened in Rajasthan during the Second Five Year Plan; and

(b) how does this figure compare with those of other States?

**The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan):** (a) No new lines have been included in Rajasthan in the Second Five Year Plan. However 26 26 miles of Fatehpur Churu line, started in the First Five Year Plan, has been opened in the Second Five Year Plan.

The Raniwara- Bhiladi line, started in the First Five Year Plan, will also establish a link with Rajasthan.